कानपुर, बुधवार 23 मार्च, 2022
नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य 2.50 रुपटा
हिन्दी जगत में सर्वाधिक लोकप्रिय
वाराणसी | गोरखपुर | प्रयागराज
कानपुर (झांसी) | लखनऊ
आगरा | बरेली | पटना
रांची (धनबाद संस्करण)
जमशेदपुर
online Edition
www.ajhindidaily.com

आज

तापमान अधिकतम 36.0 डि.से. न्यूनतम 19.2 डि.से. आर्द्रता- 76-24%

10 लक्ष्य सेन
बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में टॉप 10 में पहुंचे

माधुरी दीक्षित 12
किराये पर लिया नया घर

पर्यावरण तथा जल संरक्षण को अपनी जीवनशैली में अपनाना होगा :अरुणाचलम

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथि। छाया-आज

(आज समाचार सेवा)
झांसी, 22 मार्च। केंद्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी में विष्व वानिकी दिवस तथा विष्व जल दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरुणाचलम ने सभी को आह्वान किया की वर्तमान परिवेश में हमें पर्यावरण तथा जल संरक्षण को अपनी जीवनशैली में अपनाना होगा। हमारे देश की बहुत सारी आबादी वन पर निर्भर है, हमे प्रति व्यक्ति वृक्ष अनुपात को बढ़ाना होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पी पी सिंह मुख्य वन संरक्षक ने अपने सम्बोधन में वन की महत्ता के बारे में बताया। उन्होंने बुंदेलखंड क्षेत्र में विभिन्न संस्थाओं द्वारा जल और वन संरक्षण में कराए जाए कार्यों का भी वर्णन किया । कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारी वी. के. मिश्रा, गौतम एवं विनोद कुमार ने भी अपनी विचार रखे। कार्यक्रम मे वन विभाग, कृषिवानिकी संस्थान के अधिकारी, कर्मचारी तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने पर्यावरण तथा जल संरक्षण की शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशाराम ने तथा स्वागत डॉ. ए. के. हांडा ने किया।

झांसी, लखनऊ, आगरा, गुना, सतना, रीवा, भोपाल व ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित
स्वदेश ग्वालियर समूह का स्वर्ण जयंती वर्ष
www. swadeshnews.in
1971-2021 50 स्वदेश ग्वालियर समूह

स्वदेश

हमारे जीवन का उद्देश्य ही खुशी की तलाश करना है।
● दलाई लामा

● झांसी ● बुधवार 23 मार्च 2022, चैत्र कृष्णपक्ष-6 ● संवत् 2078, ● युगाब्द 5123 ● वर्ष: 23 ● अंक: 258 ● मूल्य 3.00 रु. ● पृष्ठ 12

जल एवं जंगल के बीच प्राकृतिक रिश्ता, जिसको सहेजना जरूरी

स्वदेश ■ झांसी

केंद्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी में विष्व वानिकी दिवस तथा विष्व जल दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरुणाचलम ने सभी को आह्वान किया की वर्तमान परिवेश में हमें पर्यावरण तथा जल संरक्षण को अपनी जीवनशैली में अपनाना होगा। हमारे देश की बहुत सारी आबादी वन पर निर्भर है, हमे प्रति व्यक्ति वृक्ष अनुपात को बढ़ाना होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पी पी सिंह मुख्य वन संरक्षक ने अपने सम्बोधन में वन की महत्ता के बारे में बताया। उन्होंने बुंदेलखंड क्षेत्र में विभिन्न संस्थाओं द्वारा जल और वन संरक्षण में कराए जाए कार्यों का भी वर्णन किया । कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारी वी. के. मिश्रा एवं विनोद कुमार ने भी अपनी विचार रखे। कार्यक्रम मे वन विभाग, कृषिवानिकी संस्थान के अधिकारी, कर्मचारी तथा छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने पर्यावरण तथा जल संरक्षण की शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशाराम ने तथा स्वागत डॉ. ए. के. हांडा ने किया।